मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 116, मुंबई, मंगलवार, 7 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा....

कतर के आगे मोदी सरकार दंडवत

भारत माता को शर्म से सिर झुकाना पड़ा

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर नुपुर शर्मा व नवीन जिंदल को भाजपा से निलंबित किए जाने का मामला तूल पकड़ रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने इसे लेकर अपनी ही पार्टी की सरकार को घेरा। स्वामी ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने छोटे से देश कतर के आगे साष्टांग दंडवत कर दिया। दो भाजपा नेताओं के निलंबन पर भड़के सुब्रमण्यम स्वामी यहीं नहीं रुके उन्होंने पूरे आठ साल के कार्यकाल में विदेश नीति को लेकर सवाल खड़े कर दिए। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कई देशों में भारतीय राजदूत तलब

विवादित टिप्पणी को लेकर रविवार को कतर, कुवैत और ईरान ने भारतीय राजदूतों को तलब कर गहरी नाराजगी जताई और सख्त कार्रवाई की मांग की। भारत ने इन देशों से कहा है कि इस तरह की टिप्पणियां सरकार के विचार नहीं हैं और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। राजदूत ने उन्हें बताया कि यह किसी तरह से भारत सरकार की भावना नहीं है। ऐसा हाशिये पर खड़े लोगों ने कहा है। भारत अपनी अनेकता में एकता की सांस्कृतिक विरासत के आधार पर सभी धर्मों को उच्चतम आदर देता है। इस तरह की टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जा रही है। संबंधित संगठन ने बयान जारी कर सभी धर्मों को आदर देने और किसी भी धर्म के व्यक्ति के सम्मान को चोट पहुंचाने के कदम की निंदा की है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला

शरद पवार पर टिप्पणी के मामले में छात्र को जमानत देने से इनकार

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने राकांपा प्रमुख शरद पवार के खिलाफ कथित आपत्तिजनक ट्वीट के लिए पिछले महीने गिरफ्तार 22 वर्षीय फामेर्सी छात्र को तत्काल जमानत देने से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि मौलिक अधिकार पूर्ण नहीं हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

ओमान के ग्रैंड मुफ्ती ने अरब देशों में शुरू की भाजपा के खिलाफ मुहिम

ओमान, कतर, कुवैत, बहरीन और ईरान समेत कई देशों में पैगंबर मोहम्मद को लेकर भाजपा प्रवक्ता की टिप्पणी का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इन देशों ने भाजपा प्रवक्ता की टिप्पणी पर सख्त आपत्ति जताते हुए कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया। नूपुर शर्मा द्वारा यह विवादित बयान कई दिनों पहले दिया गया लेकिन पिछले दो तीन दिनों में इसे लेकर अरब देशों में जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है।

भारत के खिलाफ अभियान

- ओमान, कतर, कुवैत, बहरीन और ईरान समेत कई देशों में भारत का विरोध
- अरब देशों में भारतीय सामानों के बायकॉट को लेकर भी मुहिम चलाई गई
- ओमान के ग्रैंड मुफ्ती शेख अहमद बिन हमाद ने ट्वीट कर इस मुहिम को चलाया

महाराष्ट्र के स्कूलों में जरूरी हो सकता है मास्क

शिक्षा मंत्री ने नई गाइडलाइन बनाने के दिए निर्देश

मुंबई। मुंबई और महाराष्ट्र में जल्द ही स्कूल खुलने वाले हैं। ऐसे में राज्य और मुंबई में बढ़ते कोरोना के केसों ने चिंता बढ़ा दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या ऐसे में स्कूल खोले जाएंगे? इस बात का जवाब शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने दिया। वह रविवार को पनवेल में आयोजित मुंबई कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में पत्रकारों से बात कर रही थीं। गायकवाड ने कहा कि अगले सप्ताह से स्कूल खुलने वाले है, ऐसे में स्कूलों को सावधानी बरतने को कहा गया है, लेकिन स्कूलों को फिर से बंद करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

नोटों पर नहीं छपेंगे टैगोर-कलाम

आरबीआई ने खारिज किया वाटरमार्क तस्वीर छापने का दावा, महात्मा गांधी का फोटो ही रहेगा

मुंबई। भारतीय मुद्रा, यानी रुपए पर महात्मा गांधी की ही तस्वीर रहेगी है। सोमवार को रिजर्व बैंक ने उस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें यह कहा जा रहा था कि नोटों से महात्मा गांधी का चेहरा हटा दिया जाएगा। बैंक ने बयान जारी कर कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। ये महज अफवाहें हैं। पहले यह कहा जा रहा था कि जल्द ही कुछ नोटों पर नोबेल विजेता कवि रवींद्रनाथ टैगोर और देश के 11वें राष्ट्रपति मिसाइलमैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की वाटरमार्क तस्वीर देखने को मिल सकती है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जेब पर भारी

स्वास्थ्य देखभाल खर्च का तेजी से बढ़ना न केवल चिंता, बल्कि चिंतन का भी विषय है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में स्वास्थ्य देखभाल पर व्यक्तिगत खर्च का सबसे बड़ा घटक दवाएं हैं। नीति आयोग, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और मुंबई के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज के शोधकर्ताओं के अनुसार, वार्षिक प्रति व्यक्ति आउट पेशेंट लागत वार्षिक इनपेशेंट लागत से कहीं अधिक है। कंपोनेंट्स ऑफ आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर ऐंड देयर रिलेटिव कॉट्रिरब्यूशन टु इकोनॉमिक बर्डन ऑफ डिजीज इन इंडिया शीर्षक से यह रिपोर्ट अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस अध्ययन में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के सार्वजनिक और निजी अस्पतालों के 43,781 रोगियों व 8,914 बाह्य रोगियों द्वारा खर्च के ढंग का विश्लेषण किया गया है। यह बात भी सामने आई है कि भारत में कुल स्वास्थ्य देखभाल खर्च का लगभग 63 प्रतिशत लोग अपनी जेब से वहन करते हैं, बाकी खर्च सरकार करती है। भारत सरकार सकल घरेलू उत्पाद का महज 2.1 प्रतिशत ही स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च करती है। इसके अलावा यह भी चिंता की बात है कि भारत में स्वास्थ्य बीमा उद्योग लोगों के कुल स्वास्थ्य व्यय के लगभग 12 प्रतिशत की ही भरपाई करता है। आम तौर पर लोग अस्पताल में भर्ती होकर जितना खर्च करते हैं, उससे कहीं अधिक खर्च बाहर रहते इलाज में करते हैं। सर्वाधिक पैसा दवाइयों पर खर्च होता है। रोगियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति के साथ चिकित्सक परामर्श और जांच पर होने वाले खर्च का औसत भी तेजी से बढ़ रहा है। अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ है कि सार्वजनिक अस्पतालों की तुलना में निजी अस्पतालों में औसत चिकित्सक परामर्श शुल्क 12 गुना अधिक है। मतलब सरकारी अस्पताल में अगर किसी चिकित्सक से परामर्श के लिए 100 रुपये खर्च होते हैं, तो निजी अस्पताल में 1,200 रुपये। निजी अस्पतालों में भर्ती होकर इलाज कराने वालों को 24 गुना से भी अधिक राशि खर्च करनी पड़ती है। मतलब, जो इलाज सरकारी अस्पतालों में 1,000 रुपये में हो सकता है, निजी अस्पतालों में उसके लिए 24,000 रुपये तक लग सकते हैं। इसके अलावा भारत में चूंकि अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं हर जगह उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए भी यात्रा खर्च जेब पर बोझ बढ़ाता है। इस बारे सोचा भी नहीं जाता है। बहरहाल, इस रिपोर्ट ने सही दिशाओं की ओर इशारे किए हैं। दवा और जांच के बाजार को नियोजित करना जरूरी है। इलाज का अर्थ यह नहीं कि मरीज से अधिकतम धन की वसूली की जाए। बीमार मरीज और उसके परिजन स्वयं दुखी रहते हैं, ऐसे में, उनके कष्ट को कम करने के बारे में निजी अस्पतालों ही नहीं, बल्कि सरकारी अस्पतालों के प्रबंधन को भी सोचना चाहिए। देश में जिन सरकारों ने दवा, जांच, इलाज को मुफ्त कर दिया है, उनकी तारीफ होनी चाहिए, लेकिन चिकित्सा गुणवत्ता भी देखनी चाहिए। जैसे नीति बनाकर सरकारी अस्पतालों को नहीं छोड़ा जा सकता, वहीं पूरी रियायत देकर निजी अस्पतालों को भी नहीं छोड़ना चाहिए। चिकित्सा की पढ़ाई में भी किफायती इलाज पर जोर देना चाहिए। देश में जगह-जगह जेनेरिक दवाओं के स्टोर खोलने की जरूरत है, वहीं सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने पर सरकार को ज्यादा ध्यान देना चाहिए, ताकि लोग अपनी बीमारियों को न छिपाएं, सहजता से इलाज कराएं।

आठ साल बाद, क्या अच्छे दिन आ रहे?

इन आठ वर्षों में भले ही कई लोगों ने 'अच्छे दिन' की उम्मीद छोड़ दी हो लेकिन कहानी, कथानक और नायक अभी भी प्रशंसा और श्रद्धेय के स्थान पर हैं। जहां तक कहानी का सवाल है, अब कथाकार मोदी के साथ-साथ सवा सौ करोड़ लोग कहानी बताते हुए हैं। मगर नरेंद्र मोदी अब कथाकार नहीं हैं। वे अपनी कहानी कह चुके। मोदी की कहानी की विरासत अब सवा सौ करोड़ लोगों के हाथों में है। कहानी उनकी भी है, जो अच्छे दिनों के लिए तरस रहे हैं। क्या आपको लगता है अच्छे दिन आ रहे हैं?

हम विश्वासी लोग हैं। और विश्वास के सही होने की आस पाले रहते हैं। सन 2014 में नरेंद्र मोदी के नाम से एक नया विश्वास उभरा था। उस विश्वास में देश ने उनकी कहानी को अपना बनाया था। उन्होंने नए परिप्रेक्ष्य में उम्मीद की एक कहानी गढ़ी। वह ऐसा समय था जब माहौल निराशा, नाकाबलियत, आतंकवाद और शत्रुता से भरा था। नरेंद्र मोदी ने तब खुद को एक सुधारक के रूप में, आधुनिक, नए भारत में परंपरागत मूल्यों को बहाल करने के दृढ़ निश्चयी के रूप में प्रचारित किया था। परिणामतः पूजा करने वालों के देश में नरेंद्र मोदी की अंधभक्ति ने उन्हें जल्दी ही सवा सौ करोड़ भारतीयों का वह अवतार बना दिया जो 'अच्छे दिन' लाने वाला था। बाकी सब की तरह मुझे भी मोदी की कहानी की खूबियां और ताजगी अच्छी लगी। ऐसे में 2014 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी का साक्षात्कार करने के लिए जब मैं अपने पिता श्री हरि शंकर व्यास के साथ गांधीनगर गई और मुख्यमंत्री निवास में मोदी से इंटरव्यू होते देखा, सवाल-जवाब सुने तो मैं गदगद, उत्साहित और मंत्रमुग्ध थी। इंटरव्यू के समय तक वे देश के पसंदीदा विकल्प बनते लग रहे थे।

वे इस बात को समझने लगे थे कि लोग उन्हें अपनी आशा, अपने मसीहा के रूप में देख रहे हैं। उन पर दबाव जबरदस्त था, लेकिन पीएम पद के बतौर उम्मीदवार वे बेफिक्र से लग रहे थे। वे अपनी क्षमता, आकर्षण और बन रही जनभावनाओं से वाकिफ थे। उनसे जब भारत के मौजूदा संकटों में उनकी सोच के सवाल हुए तो नरेंद्र मोदी ने इस तरह जवाब दिया मानों उनके लिए यह सब चुटकियों का काम है। उनके आत्मविश्वास, आधुनिक भारत के साथ पुराने रीति-रिवाजों को बुनने के इरादे जान कर मुझे बहुत अच्छा लगा। प्रधानमंत्री बनते ही सब बेहद आसान और मजेदार हो जाएगा। वाकई, नरेंद्र मोदी देश की एक कहानी और उसके ऐसे प्रतीक बने, जिसकी आवश्यकता भारत को नई सदी में प्रवेश करने के लिए थी। उस समय उनमें एक मजबूत कथा और ईमानदार इच्छाशक्ति का मेल था। 'अच्छे दिन' निश्चित ही आते लग रहे थे।

16 मई 2014 को, बहुत उत्साह और धूमधाम के बीच, देश के 15वें प्रधानमंत्री के साथ, भारत को एक नई कहानी मिली। दिल्ली की राजनीति में बाहरी होने और अपनी विनम्र शुरूआत का फायदा उठाते हुए, नरेंद्र मोदी ने पूरा माहौल बदल दिया। उस समय वे जोश से भरे हुए थे। उन्होंने पुरानी राजनीति तथा राजनेताओं के तौर-तरीकों के प्रति मोहभंग के बीच अपना जलवा बनाया। वोट बैंक की राजनीति के लिए अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले, भारतीयों के वृहत्तर समूह जिसमें युवा, पिछड़े, ग्रामीण और मध्यम वर्ग के लोग शामिल हैं, की भावनाओं को उन्होंने झिंझोड़ा। वे उनके प्रतिनिधि बन गए, कहानी में उनके 'गोलिएथ'। भारत की नई कहानी और उसके महानायक नरेंद्र मोदी!

एक ऐसी दुनिया में जहां अब्राहम लिंकन, रिचर्ड निक्सन, विंस्टन चर्चिल, मारग्रेट थैचर, एंजेला मर्केल, बराक ओबामा से जैसी कई कहानियों को सुनने-सुनाने का अनुभव है उसमें भारत ने भी वह एक नया नेता पाया, जिसके भाषण न केवल मनमोहक, सम्मोहक, और भावनाओं के उद्दीपक थे, बल्कि उनके विदेशी श्रोता भी थे। भारत देश की नई कहानी का देश और विदेश दोनों जगह प्रसारण होने लगा। मानों वे भारत के पहले प्रधानमंत्री थे, पंडित जवाहरलाल नेहरू (जो आज बहुत तिरस्कृत हैं) नहीं, जिनकी कहानी से ही भारत है। कभी नेहरू से भारत की कहानी थी। उनके बाद भारत में कहानीकारों और कहानियों को लेकर खालीपन सा रहा है। भारत बढ़ा लेकिन उसकी कहानी नहीं। मोदी के पूर्ववर्ती को 'मौन', 'एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' के रूप में जाना जाता था। उनके काम, उनके समय की आर्थिक प्रगति को अस्वीकार कर दिया गया था, क्योंकि मनमोहन सिंह न तो कहानी थे और न ही एक कुशल कहानी सुनाने वाले। और एक पूरी पीढ़ी के लिए, खासकर पिछली सदी के अंतिम वर्षों में पैदा हुए हम जैसों के लिए जिनका राजनीति में कोई रोल मॉडल नहीं था, कोई कहानी, कोई कथा नहीं थी, सिवाय सत्ता और भ्रष्टाचार की गंदी राजनीति के। उस सब में आठ साल पहले बदलाव आया। सब कुछ अचानक बदल गया। भारत नेहरू के जमाने की छुक-छुक करती आई रेल से सीधे मोदी के 'न्यू इंडिया' की 'बुलेट ट्रेन' की छलांग लिए हुए था। आज मोदी नेहरू को याद करते हैं जबकि जनता उनकी नेहरू से तुलना करती है। आजादी के 75वें वर्ष के अमृत महोत्सव का आख्यान यह है कि कभी नेहरू थे आज तो मोदी हैं! आठ साल बीत चुके हैं। नरेंद्र मोदी ने पूरी पकड़, धमक के साथ प्रधानमंत्री का पद संभाला हुआ है। और यह सवाल बिना शोर के सबके दिल-दिमाग में है, अनुमान, अंदाज और जवाब तलाशता हुआ है कि क्या हमारे अच्छे बीते आठ साल? तालियों की और आलोचनाओं से लबालब संपादकीय की बाढ़ आई हुई है। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास, अच्छे निर्णय, बुरे निर्णय, विकास, अधोगति के साथ अंधेरे में तीर चलते हुए कि क्या पाया और क्या गंवाया? लेकिन मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के समय को न केवल भारत को आकार देने और बदलने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नीतियों पर चिन्हित और वर्गीकृत किया जाना चाहिए, बल्कि उनकी कहानी आम जनता के दिमाग और विवेक में कब तक, कितनी धकेले जा सकती है, इसे समझने की जरूरत है।

क्योंकि नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें लोगों से सीधे जुड़े रहने का हुनर मालूम है। उनके लिए अखबारों के ऑप-एड और स्तुति गान या आलोचना कोई मायने नहीं रखती है। जो मायने रखता है वह है लोगों की राय, वह समीकरण, जिससे उनके तार सवा सौ करोड़ देशवासियों से जुड़ते हैं। 'न्यू इंडिया', नेहरूवादी भारत जैसे जुमलों के बीच ज्यादातर लोगों को लगता है कि मोदी के नेतृत्व में भारत सुरक्षा और समृद्धि में फल-फूल रहा है। दुनिया में नाम है। 75 वर्षीय समता प्रसाद चौधरी से मेरी मुलाकात उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान गोरखपुर के डुमरियागंज में एक चाय की दुकान पर हुई थी। रूस ने यूक्रेन पर तब हमला कर दिया था और वहां फंसे हुए हमारे छात्रों को लेकर सुर्खियां थी। समता प्रसाद को पता नहीं था कि युद्ध क्यों हो रहा है, लेकिन उसने मुझे बताया कि भारत का झंडा जहां होता था वहां रूस हमला नहीं करता थाह्न ताकि भारत के छात्र पहले निकल जाएं! उसके ख्यालों के भारत के ऐसे रूतबे से वह गर्व में था और वह योगी सरकार के साथ अपनी समस्याओं और गुस्से, खेती की बढ़ती लागत और फसल खाने वाली गायों को भूला हुआ था। एक छोटे से गांव का किसान, जिसका कोई राजनीतिक झुकाव नहीं था और जो सोशल मीडिया के हल्लों से भी दूर था यह, मानते हुआ था कि नरेंद्र मोदी भारत के लिए सबसे अच्छी चीज हैं। आज भाजपा-प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से 17 राज्यों में शासन कर रही है। यह देश का 44 फीसदी हिस्सा है। कोविड महामारी के दौरान कुप्रबंधों, मौतों की क्रूर संख्या के बावजूद, नरेंद्र मोदी के अनुमोदन की रेटिंग विश्व स्तर पर 70 प्रतिशत के उच्च स्तर पर है, जो इतिहास के सबसे अधिक मनहूस समय के दौरान किसी भी नेता को मिली उच्चतम रेटिंग है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

नशे की खिलाफ मुंब्रा पुलिस एपीआई कृपाली बोरसे ने किया कड़ा प्रहार

नशीले पदार्थों सहित 274 बोतल की कोरेक्स की बरामद

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा पुलिस में लेडी सिंघम कहलाए जाने वाली डिटेक्शन ब्रांच की महिला पुलिस अधिकारी एपीआई कृपाली बोरसे द्वारा अमली नशीले पदार्थ मेडिसिन नशा विक्रेता पर छापेमारी करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में जारी की गई प्रेस नोट से मिली जानकारी के अनुसार गत 3 मई शुक्रवार को गुप्त जानकारी प्राप्त हुई की भूरा महल इमारत के करीब जीवन बाग में एक व्यक्ति कोरेक्स बोतल बेचने के लिए आ रहा है खबर मिलते ही इस बात की सूचना मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग को इस बात की जानकारी दी उसके बाद उनके मार्गदर्शन में उन्होंने इस इमारत पर छापेमारी करने की आदेश दे दिए यह इमारत भूरा महल इमारत की गली में जीवन बाग

आरोपी अब्दुल समद उर्फ गुड्डो अब्दुल अजीज शेख

करीब मुंब्रा जिला थाना यह आरोपी पर छापेमारी के दौरान 274 बोतल की कोरेक्स की बरामद की गई इस छापेमारी में मेडिसिन नशा विक्रेता अब्दुल समद उर्फ गुड्डू अब्दुल अजीज शेख वर्ष 48 रहवासी रूम नंबर 2 पत्रा चाल झांसी पैलेस के बाजू में जीवन बाग रेलवे स्टेशन के को गिरफ्तार कर लिया गया इस आरोपी के विरुद्ध में मुंब्रा पुलिस द्वारा रजिः क्रः 450/2022 भारतीय औषध एवं प्रसाधन कायदा 1940 के अंतर्गत नियम 1945 के कलम 28अ, गुनाह पात्र कलम 28,28 (क), गुनाह पात्र कलम 27(ब) (पप), भारतीय दंड संहिता कलम 328, 276 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया यह कार्रवाई मा. पुलिस उपायुक्त परिमंडल जोन एक के अविनाश अंबुरे कलवा विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त व्यंकट आधळे, मुंब्रा पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग के मार्गदर्शन में महिला सहायक पुलिस निरीक्षक डिटेक्शन ब्रांच की कृपाली बोरसे, पुलिस नाइक 1949 अजीज तड़वी, पुलिस नाइक 6455 तुषार महले, पुलिस सिपाही 2634 नवनाथ चौहान, पुलिस सिपाही 7744 भूषण खेरनार, पुलिस सिपाही 3847 रूपेश पवार, पुलिस सिपाही 7978 अब्दुल रऊफ खान, पुलिस सिपाही 2116 प्रमोद जमदाडे इन तमाम डिटेक्शन ब्रांच की पुरी टीम द्वारा यह कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

आठ मंजिला इमारत की खिड़की से गिरकर हुई 16 वर्षीय मुस्कान की मौत

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। 8 मंजिला इमारत की घर की खिड़की से गिरकर हुई 16 वर्षीय मुस्कान की मौत का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में मृतक के पिता मोहम्मद मेहताब शफीक शेख वर्ष 48 रहवासी मैक्स प्लाजा रूम नंबर 807 बाईपास टोल नाका कौसा मुंब्रा थाना की बेटी नाजमीन शबनम उर्फ मुस्कान मेहताब शेख वर्ष 16 मेरी बेटी 4 मई शुक्रवार दोपहर को मेरा जरी का कारखाना हैं करचोप की लकड़ी के ऊपर चढ़कर खिड़की पर से कपड़ा निकाल रही थी और तभी अचानक करचोप की लकड़ी सरक गई और मेरी बेटी का संतुलन बिगड़ गया और वह खिड़की से

नीचे गिर गई यह घटना दोपहर 3:45 मिनट की है मेरी बेटी को तुरंत कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल मैं उपचार हेतु भर्ती कराया गया जहां पर रात 9:30 बजे मेरी बेटी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया इसके बाद मुंब्रा पुलिस द्वारा इस मामले में एमएलसी नंबरः7019/22 के आधार पर रजिः क्रंः130/2022 भारतीय दंड संहिता सीआरपीसी आईपीसी की धारा 174 के तहत आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया आगे की छानबीन पुलिस द्वारा की जा रही है फिलहाल नाबालिक 16 वर्षीय मुस्कान की हुई दर्दनाक मौत से परिवार में मातम का माहौल छाया हुआ है और पूरे इलाके में गम का माहौल नजर आ रहा और इलाके के लोग ऊपर वाले से दुआ कर रहे हैं मृतक मुस्कान के माता-पिता को ऊपरवाला सब्र अता करें।

जेल में बंद महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने राज्यसभा चुनाव के लिए एक दिन की जमानत मांगी

मुंबई। धनशोधन के मामले में गिरफ्तारी के बाद जेल में बंद महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने राज्य की छह सीटों पर आगामी राज्यसभा चुनाव में वोट डालने को लेकर एक दिन की जमानत के लिए सोमवार को यहां एक विशेष अदालत का रुख किया। धनशोधन के आरोप में जेल में बंद महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने भी पिछले हफ्ते इसी तरह की अर्जी दी था। धनशोधन निवारण अधिनियम से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए नामित मुंबई की एक विशेष अदालत ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दोनों अर्जियों (मलिक और देशमुख) पर अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई के लिए आठ जून की तारीख तय की। राज्यसभा चुनाव 10 जून को होने हैं। ईडी ने मलिक को इस साल 23 फरवरी को भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और

उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े धनशोधन की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता ने अपनी अर्जी में 10 जून को एक दिन के लिए जमानत पर रिहा करने का अनुरोध किया था। मलिक ने अपनी याचिका में दावा किया कि वह एक निर्वाचित विधायक हैं और इसलिए राज्यसभा के लिए एक प्रतिनिधि का चुनाव करने में अपने निर्वाचन क्षेत्र के निवासियों का प्रतिनिधित्व करना उनका कर्तव्य है और वह उपरोक्त द्विवार्षिक चुनावों में अपना वोट डालने के लिए भी इच्छुक हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में 288 सदस्य हैं। राकांपा के दो विधायक देशमुख और मलिक फिलहाल जेल में हैं। चार मुख्य दलों शिवसेना, राकांपा, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अलावा विधानसभा में छोटे दलों और निर्दलीय 25 विधायक हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

कतर के आगे मोदी सरकार दंडवत

स्वामी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत माता को शर्म से सिर झुकाना पड़ा। हम लद्दाख में चीनियों के सामने रेंगते नजर आए, रूसियों के सामने घुटने टेके और क्वाड में अमेरिकियों के सामने गिड़गिड़ाए। अब हमने छोटे से देश कतर के सामने साष्टांग दंडवत किया। यह हमारी विदेश नीति का पतन है। दरअसल, कहा जा रहा है कि कतर के दबाव में भाजपा ने अपने दो पार्टी नेताओं का निलंबन किया है। नुपुर शर्मा व नवीन जिंदल पर आरोप है कि उन्होंने बीते दिनों पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक बातें कही थीं। इसका भारत के मुस्लिमों समेत अरब के कई देशों द्वारा विरोध किया जा रहा है। नुपुर शर्मा ने अपनी विवादित टिप्पणियों को लेकर माफी मांगी है। भारत ने रविवार को कतर से कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ कोई भी विवादास्पद बयान कुछ अराजक तत्वों का विचार हो सकता है, लेकिन सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है। कतर की राजधानी दोहा में स्थित भारतीय दूतावास के प्रवक्ता ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राजदूत ने विदेश कार्यालय में एक बैठक की, जिसमें भारत में धार्मिक शख्सियत को बदनाम करने वाले कुछ आपत्तिजनक ट्वीट के संबंध में चिंता व्यक्त की गई है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला

न्यायमूर्ति एस एस शिंदे और न्यायमूर्ति एम एन जाधव की खंडपीठ नासिक निवासी निखिल भामरे द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में उनके खिलाफ दर्ज सभी पांच प्राथमिकी रद्द करने की मांग की गई थी। उसने यह भी प्रार्थना की कि उसकी याचिका लंबित रहने के दौरान उसे जेल से रिहा कर दिया जाए। भामरे के वकील अधिवक्ता सुभाष झा ने अदालत से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि महाराष्ट्र जैसे राज्य में एक युवक के साथ ऐसा हो रहा है और हम लोकतंत्र में रह रहे हैं। पीठ ने कहा कि भामरे 22 साल के हैं और कहा कि इस उम्र में कुछ जिम्मेदारी होनी चाहिए। न्यायमूर्ति शिंदे ने कहा कि हर नागरिक के मौलिक अधिकार हैं। लेकिन ये प्रतिबंधों के अधीन हैं। मौलिक अधिकार पूर्ण नहीं हैं। किसी को भी किसी और के निजी जीवन पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि किसी के पास अधिकार है इसका मतलब यह नहीं है कि वह बिना किसी प्रतिबंध के इस अधिकार का प्रयोग कर सकता है। पीठ ने राज्य सरकार को भामरे के खिलाफ जांच की प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। इसके बाद अधिवक्ता झा ने अदालत से अपने मुवक्किल को जमानत पर रिहा करने का आदेश पारित करने का अनुरोध किया। न्यायाधीशों ने हालांकि कहा कि इस तरह का आदेश सुनवाई की पहली तारीख को पारित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने आगे की सुनवाई के लिए 10 जून की तारीख तय की।

महाराष्ट्र के स्कूलों में जरूरी हो सकता है मास्क

मंत्री वर्षा गायकवाड ने कहा कि अभी तक मास्क लगाने को लेकर सख्ती नहीं बरती जा रही है, लेकिन केस बढ़े तो फिर मास्क लगाना अनिवार्य किया जा सकता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या कोराना बढ़ते केसों के चलते समय पर स्कूल खुल सकेंगे? गायकवाड ने कहा कि स्कूल खोले जाने से पहले सरकार स्थिति की समीक्षा करेगी और उपयुक्त नियमावली के साथ स्कूल खोले जाएंगे। अगर जरूरत हुई तो नियम सख्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए स्कूल खुलने से पहले नई एसओपी तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार विद्यार्थियों का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। 13 जून से स्कूल खुल रहे हैं, लेकिन स्कूलों में अगली कक्षा की पढ़ाई जुलाई के मध्य से शुरू होगी। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की अगली कक्षा की पढ़ाई शुरू करने से पहले उनका मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। इसके तहत विद्यार्धियों को पहले की कक्षा का रिविजन करवाया जाएगा।

नोटों पर नहीं छपेंगे टैगोर-कलाम

रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा था कि वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) कुछ नोटों की एक सीरीज पर कलाम और टैगोर के वाटरमार्क का इस्तेमाल करने पर विचार कर रहा है। पहले यह दावा भी किया जा रहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मीटिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने आरबीआई-दिल्ली के एमेरिटस प्रो. दिलीप टी. साहनी को गांधी, टैगोर और कलाम के वॉटरमार्क के नमूनों के दो अलग-अलग सेट भेजे हैं। साहनी को दो सेटों में से चुनने व उन्हें सरकार द्वारा अंतिम विचार के लिए पेश करने को कहा गया है। वाटरमार्क की जांच करने वाले प्रो. साहनी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंस्ट्रुमेंटेशन के विशेषज्ञ हैं। इसी साल उन्हें पद्मश्री सम्मान मिला।

● 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उम्मीद फाउंडेशन और डी.एस. रिसर्च सेंटर की तरफ से मारवे बीच सफाई का अभियान किया गया था। जिसका उद्देश्य हमारे वातावरण को स्वच्छ व शुद्ध रखना है। इस अभियान को सफल बनाने में एनएसएस अथर्वा की टीम ने उत्साह से साथ दिया और मार्वे बीच की सफाई की। उम्मीद फाउंडेशन की फाउंडर सलमा मेमन ने कहां की यह सिर्फ हम विश्व पर्यावरण दिवस तक सीमित नहीं रहेंगे हम यह सफाई अभियान दर हफ्ते चलाते रहेंगे।

ठाणे में लावारिस बैग में बम की अफवाह से मची अफरातफरी

ठाणे। ठाणे में बम की अफवाह फैलने से शुक्रवार को अफरातफरी का माहौल बन गया था। घटनास्थल पर तत्काल बम निरोधक टीम पहुंची और असलियत पता चलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। शुक्रवार को सुबह तकरीबन 10 बजे नगर निगम मुख्यालय गेट नंबर दो के सामने एक पेड़ के नीचे लावारिस बैग में बम होने की सूचना जंगल की आग की तरह पूरे शहर में फैल गई। सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अधिकारी, पुलिस टीम, बम निरोधक दस्ते की टीम, फायर ब्रिगेड के जवान, स्वान टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर लावारिस बैग की जांच के बाद उसमें बम नहीं मिला, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। जांच में पता चला कि घटनास्थल पर पाया गया बैग फ्रेश टू होम नामक कंपनी का डिलीवरी बैग था। फिलहाल मामले की गहन छानबीन जारी है।

मनपा ने दुकानों पर मराठी बोर्ड लगाने की समय सीमा 30 जून तक बढ़ाई

मुंबई। मनपा ने दुकानों पर मराठी भाषा में बोर्ड गाने की समय सीमा दूसरी बार बढ़ाते हुए 30 जून कर दी है। इससे पहले समय सीमा 10 जून तक बढ़ाई गई थी। बता दें कि राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार मुंबई में सभी दुकानों व प्रतिष्ठानों का बोर्ड बड़े मराठी अक्षरों (में लिखने का निर्देश बीएमसी ने दिया था। जिसकी समयसीमा 31 मई तय की गई थी। लेकिन बीएमसी ने 1 जून से कार्रवाई न करते हुए बोर्ड मराठी में बदलने के लिए दुकानदारों को अब एक महीने का समय दिया है। राज्य सरकार ने दुकानों का बोर्ड मराठी में करने का निर्देश जारी किया था, लेकिन अब भी बोर्डों के नाम

इंग्लिश में लिखे हुए हैं। बीएमसी के उपायुक्त संजोग कबरे ने बताया कि 30 जून के बाद दुकान एवं प्रतिष्ठान मराठी में बोर्ड लगा रहे हैं या नहीं प्रत्येक वार्ड में निरीक्षण किया जाएगा। उस दौरान यदि मराठी बोर्ड लगाने से दुकानदार इंकार करता है तो उसके खिलाफ न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी। यदि दुकानदार कोर्ट की कार्यवाही से बचना चाहेगा तो उसे जुमार्ना भरना पड़ेगा। इसके तहत दुकान में कार्यरत प्रति व्यक्ति के हिसाब से दो हजार रुपये का दंड वसूला जाएगा। दुकानदारों को यह आखिरी मौका दिया गया है। इसके बाद मनपा कड़ी कार्रवाई करेगी।

नालासोपारा पूर्व में डॉक्टर ने इलाज के बहाने की छेडछाड़

नालासोपारा। हमारे समाज में डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है। डॉक्टर, जिससे परिवार का हर सदस्य खुल कर अपनी परेशानी शेयर करता है, और एक आदर्श डॉक्टर को किसी परिवार के लिए बेहद भरोसेमंद सदस्य और विश्वास की डोर माना जाता है। इस पवित्र पेशे में जब आरोप प्रत्यारोप लगने लगे तो वहां पर विश्वास का खून होता है जो समाज के लिए चिंता का विषय है। मुंबई से सटे शहर वसई-विरार के नालासोपारा पूर्व से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। जिसमें एक डॉक्टर पर एक नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। पीड़िता के अनुसार डॉक्टर ने इलाज के बहाने उसके साथ छेडछाड़ की है। मामले में आरोपी डॉक्टर का नाम आर वी सिंह है जो नालासोपारा पूर्व के तुलिंज रोड और संतोषभुवन क्षेत्र में रहकर सालों से प्रैक्टिस करते हैं। घटना बीते 3 जून की है जिसमें आरोप है कि इलाज और चेकअप के नाम पर डॉक्टर ने पीड़िता से छेड़छाड़ की जिसकी शिकायत नालासोपारा स्थित तुलिंज पुलिस स्टेशन में की गई। शिकायत के आधार पर की गई जांच में पुलिस ने मामला दर्ज करने की स्थिति पाई और डॉक्टर आर वी सिंह को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने उन्हें 2 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। इस मामले में डॉक्टर के परिजनों ने पीड़िता के परिवार पर मारपीट का आरोप लगाया है।

वसई पूर्व रेंज नाका से क्राइम ब्रांच ने धर दबोचा ड्रग्स माफिया को

मुंबई। मीरा भाईंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत क्राइम ब्रांच 02 यूनिट की टीम ने एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। दरअसल शख्स मोटरसाइकिल से ड्रग्स लेकर जा रहा था, तभी यूनिट 02 की टीम ने यह कार्रवाई की है। एक अधिकारी ने बताया कि वसई पूर्व रेंज नाका, उडपी होटल स्थित 21 वर्षीय शख्स मोटरसाइकिल से हेरोइन लेकर जा रहा था। तभी यूनिट 02 (क्राइम ब्रांच) की टीम ने शख्स को धर दबोचा, कार्रवाई में शख्स के पास से 8 ग्राम हेरोइन (ड्रग्स) बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि, हेरोइन की कुल कीमत 80,000 रुपये आकी गयी है तथा 30 हजार रुपये मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कृष्णा मिरयाला (21) को गिरफ्तार किया गया है। और यूनिट 02 (क्राइम ब्रांच) में कार्यरत मगेश चव्हाण की शिकायत पर वालीव पुलिस ने आरोपी कृष्णा के ऊपर एनडीपीएस एक्ट केस तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

गुंडाराज को रामराज बनाया योगी आदित्यनाथ ने, हम गन्ना तो वह जिन्ना की बात करेंगे: राहुल प्रधान

भाजपा (किसान मोर्चा) राहुल प्रधान समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर जमकर हमलावर दिखे। उन्होंने सपा की प्रत्याशियों की लिस्ट और उनके पूर्ववर्ती शासनकाल पर हमला बोला। श्री प्रधान ने कहा कि हिस्ट्रीशीटर और अपराधियों को संरक्षण देने का काम समाजवादी पार्टी के द्वारा किया जा रहा है। इसी के साथ उन्होंने यूपी चुनाव को किसानों की अस्मिता का सवाल बताया।

संवाददाता

भाजपा किसान मोर्चा पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य:राहुल प्रधान ने मीडिया को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब समाजवादी पार्टी की सूची आती है तो लगता है कि हिस्ट्रीशीटर, अपराधियों को संरक्षण देने का काम कोई कर रहा है तो वह सपा है। यह चुनाव किसानों की अस्मिता का है। हम गन्ना की बात करेंगे तो वह जिन्ना की बात करेंगे। मुठ्ठी बांध के अन्न संकल्प का नाटक किया जाता है। गन्ना किसानों का भुगतान जब भाजपा सरकार आई तो 11 हजार करोड़ बकाया था। यह भुगतान भी भाजपा सरकार ने ही किया। यही नहीं बीते 5 वर्षों में डेढ़ लाख करोड़ का भुगतान भी किया। अन्न संकल्प करने वालों के लिए जनता कह रही है ऐसा कोई सगा नहीं जिसे अखिलेश जी ने ठगा नहीं।

'आजम के परिवार पर 165 मुकदमे, उन्हें दिया टिकट'

अखिलेश यादव आजम खां को टिकट दे रहे हैं जिनके परिवार पर 165 मुकदमें चल रहे हैं। उन्होंने किसानों की जमीन हड़प ली। उनको टिकट दिया जाता है कि तुम जेल से चुनाव लड़ों। उनके पुत्र बेल पर बाहर आए हैं किसानों की जमीन हड़पने के लिए।

'सपा के वादे भाजपा ने किए पूरे'

समाजवादी पार्टी जो वादे कर पूर्व में चुनाव जीतकर सत्ता में आई थी उसे भी पूरा करने का काम भाजपा ने किया। भाजपा ने 36 हजार करोड़ रुपए का कर्ज किसानों का माफ किया। 87 लाख किसान परिवार इससे लाभान्वित हुए। जब किसानों की फसल नष्ट हुई तो अखिलेश यादव 1 रुपए का मुआवजा भी चेक से दे रहे थे। फसल बीमा योजना 2208 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति की गई। श्री प्रधान ने कहा कि हमने रिकॉर्ड चीनी उत्पादन किया। सपा-बसपा कार्यकाल में 21 चीनी मिल बंद हुई।

'गुंडाराज को रामराज बनाया योगी आदित्यनाथ ने'

सपा शासनकाल में वर्दी आजम खां की भैस खोजने जा सकती थी लेकिन महिला की अस्मिता नहीं बचा पाती थी। इसमें दोष वर्दी का नहीं बल्कि ऊपर से आने वाले आदेशों का था। जो नेता अधिकारियों से जूते साफ करवाने को कहते थे वह आज जेल में हैं। वर्दी का रसूख ही है कि जिनको यह डान और बाहुबली कहते थे वह जेल में हैं और उनकी करोड़ों की संपत्ति जब्त हुई है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सेवा संस्थान द्वारा एक विचार संगोष्ठी आयोजित की गई

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन बीकानेर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सेवा संस्थान बीकानेर द्वारा एक विचार संगोष्ठी मदरसा कादरिया हनफिया मोहल्ला घौसीयान हसनैन चैरिटेबल ट्रस्ट के आगे सर्वोदय बस्ती बीकानेर में आयोजन किया गया इस प्रोग्राम के मुख्य अतिथि कमल जी कल्ला ने कहा पूरे विश्व में पर्यावरण जागरूकता अभियान चल रहा है हमें भी अपने शहर में इस प्रोग्राम का ज्यादा से ज्यादा हिस्सा बनने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ विजय आचार्य एवं जाकिर नागौरी ने कहा पृथ्वी के पर्यावरण को बचाने के साथ-साथ सामाजिक ढांचे में भी जो नफरत की राजनीति का प्रदूषण फैल रहा है उस पर्यावरण को भी हमें आज बचाने की आवश्यकता है। प्रोग्राम आयोजक एडवोकेट मोहम्मद असलम ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण से ही धरती पर जीवन का संरक्षण संभव है पर्यावरण सुरक्षा और उसमें संतुलन हमेशा बना रहे इसके लिए हमें जागरुक और सचेत रहना होगा। डॉ नासिर जैदी, एन डी कादरी,अता हुसैन कादरी, रईस अहमद ने भी अपने विचार रखे प्रोग्राम की अध्यक्षता हाजी नसीर जी चौहान ने की। इस प्रोग्राम का संचालन कुंवर नियाज मोहम्मद ने किया और एडवोकेट शमशाद अली ने धन्यवाद ज्ञापित किया। और प्रोग्राम में हाजी मोहम्मद शकूर, कमरूदीन तंवर कॉमरेड अब्दुल रहमान कोहरी हैदर अली थैइम विजय कुमार व्यास, अकरम नागौरी, जितेंद्र बिस्सा, मेहबूब रंगरेज, असगर गोरी, असलम पठान, डॉक्टर मोहम्मद साबिर, वकिनूद्दीन डग्गा, हसन खिलजी, मुनीर कुरेशी, रक्षित सोनी, मेहताब दमामी, मूलचंद नायक, मेहबूब भोजावत, हाजी अलीशेर कोहरी, अजमल कोहरी, सलीम रजा मांगलिया, याकूब पावड़, फिरोज खान, हाजी सतार मोहम्मद, हाजी जहूर दीन, सलीम चौहान, जमालदीन मोयल, फिरोज चौहान मोहम्मद शरीफ बाबू भाई, असलम रंगरेज बाबू गजनेरी, बरकत अली, अजरूद्दीन, इकबाल खान, उमर रंगरेज, यूनस अली सलाउद्दीन, उस्मान, रफीक आदि मौजूद रहे।

'राहुल से पिछले चार साल से नहीं मिला' वाले बयान पर सियासत तेज, पृथ्वीराज चव्हाण ने दी अब सफाई

मुंबई। राहुल से नहीं मिलने वाले बयान पर अब कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ मैं ही ऐसा नहीं हूं बल्कि बहुत सारे ऐसे नेता हैं जो राहुल से काफी समय से नहीं मिले हैं। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि 2020 और 2021 में कोरोना के कारण कोई किसी से नहीं मिल पा रहा था। संगठन में अपने पद से इस्तीफा देने से पहले भी, वह हमें महासचिव और कांग्रेस की अध्यक्षा सोनिया गांधी से मिलने के लिए कहते थे। कांग्रेस में असंतुष्ट जी-23 खेमे के सदस्य और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने दो जून को कहा था कि पिछले चार साल में वह पार्टी नेता राहुल गांधी से मुलाकात नहीं कर सके हैं। चव्हाण ने एक कार्यक्रम में कहा कि उदयपुर में हाल ही हुए कांग्रेस सम्मेलन में कोई चिंतन या आत्मनिरीक्षण नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वह जब भी दिल्ली में होते हैं तो कभी कभार डॉ. मनमोहन सिंह से मुलाकात हो जाती है लेकिन उनका स्वास्थ्य अब पहले जैसा नहीं है। वह अस्पताल में भर्ती रहते हैं और बात करने को तैयार रहते हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने सोनिया गांधी से मुलाकात के लिए समय मांगा और मुलाकात भी की। उन्होंने कहा कि एक शिकायत है कि पार्टी नेतृत्व उतना सुलभ नहीं है जितना होना चाहिए।

पार्टी को ईमानदार आत्मनिरीक्षण की जरूरत

उदयपुर चिंतन बैठक पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पार्टी के समक्ष उत्पन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए एक चिंतन शिविर बुलाने पर सहमत हुई थी लेकिन 'राजा से अधिक वफादार' किसी शख्स ने फैसला किया कि चिंतन या आत्मनिरीक्षण की जरूरत नहीं है। इसलिए उदयपुर बैठक एक

नव संकल्प शिविर था। पार्टी ने महसूस किया कि पोस्टमार्टम की कोई आवश्यकता नहीं है और केवल भविष्य की ओर देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ईमानदार आत्मनिरीक्षण होना चाहिए। इसके लिए किसी को जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए पर यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गलतियां फिर से दोहराई न जाएं। असम और केरल विधानसभा चुनाव के बाद एक समिति बनाई गई थी लेकिन समिति की रिपोर्ट अलमारी में दफन कर दी गई जोकि सही नहीं है।

पार्टी नेतृत्व को ईमानदार सलाह नहीं दी जा रही

पूर्व सीएम ने कहा कि हाल ही में पार्टी छोड़ने वाले कपिल सिब्बल महसूस करते थे कि कांग्रेस नेतृत्व को ईमानदार सलाह नहीं दी जा रही है और 'नामित' लोग केवल वही सलाह दे रहे हैं जो नेतृत्व को पसंद है।

मोदी को हराने को व्यापक गठबंधन करना होगा

उन्होंने कहा कि यदि हम 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी को हराना चाहते हैं तो हमें आने वाले 12 राज्यों के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हमें समान विचारधारा वाली पार्टियों का बड़ा, व्यापक गठबंधन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम 2024 में हारे तो उदार लोकतंत्र की भावना हारेगी। पार्टी में हमें जल्द से जल्द चुनाव कराना होगा।

'साफ्ट हिंदुत्व' सही रणनीति नहीं

कांग्रेस की 'साफ्ट हिंदुत्व' की रणनीति पर भी सवाल उठाते हुए चव्हाण ने कहा कि यह सही रणनीति नहीं है क्योंकि इस मामले में लोग हमारी बजाय भाजपा के 'हार्ड हिंदुत्व' की ओर जाएंगे। उत्तर प्रदेश में मुस्लिमों ने कांग्रेस को वोट नहीं किया। हमें धर्मनिरपेक्षता को सही से परिभाषित करना होगा। राज्य का कोई धर्म नहीं होता है। आप एक धर्म पर दूसरे को नहीं चुन सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कारकस डिस्पोजल प्लांट में गऊवंशीयों की हत्या का लगाया आरोप

संवाददाता/रविंद्र आर्य

गाजियाबाद। सिद्धार्थ विहार कारकस डिस्पोजल प्लांट, (मृत पशु शव निस्तारण केंद्र) में गऊवंशीयों की हत्या का आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि एक गाय कि हत्या का वीडियो भी है, जिसके आधार पर पशुओ के अधिकार की एनजीओ पी. फ. ए. की चेयरपर्सन एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गाँधी से शिकायत दर्ज की गई है। वीडियो वार्ड-48 मिर्जापुर के पार्षद आसिफ खान के पास है, जिसे उन्होने अभी तक गुप्त रखा है, बता दे कि सिद्धार्थ विहार मे इस साल अभी तक सात-आठ बार गऊकशी की घटनाएं सामने आ चुकी है। यही पर कारकस प्लांट है। आरोप है कि नगर निगम के कर्मचारीयों से कारकस प्लांट के ठेकेदार की मिलीभगत से यहाँ लगातार गऊवंशीयों की हत्या की जा रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि एक ग्रुप आटे की लोई में जहर देता है तो दूसरा ग्रुप इंजेक्शन लगा गोवंशी को बेहोश कर देता है। हालाकि इस बारे में नगर निगम के अधिकारियों ने जानकारी होने से इंकार किया है। उनका कहना है कि शिकायत मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जायेगी। पशु प्रेमी रविंद्र आर्य द्वारा पीपल फॉर एनिमल्स की चेयरपर्सन मेनका गाँधी शिकायत करने पर मेनका गाँधी ने तुरंत कलेक्टर, एस पी ओर म्युनिसिपल कमिश्नर से गऊ हत्या एवं अबैध गोंशाला संचालक के विषय पर बातचीत किया और पशुओं के हत्या करने वाले दोषियों पर तुरंत कारवाही करने को कहा। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी से रविंद्र

आर्य की मुलाकात मे विस्तार से बताया कि नगर निगम द्वारा कारकस प्लांट को पांच साल के लिए कांटेक्ट पर दिया गया है। जो उच्च न्यायालय से मान्य है, जिसमे करीब 2 साल पहले कारकस प्लांट मे जिन्दा भैंस और गोंहत्या का मामला सामने आया था। उसको बंद करने के आदेश के उपरांत छ महीने बाद प्लांट खोला गया था। अभी मई महीने मे नगर निगम की बोर्ड की बैठक में मिर्जापुर वार्ड -48 के पार्षद आरिफ खान ने फिर आरोप लगाया कि वहाँ गऊवंशीयों को लगातार रात्रि मे शराब पीकर जिन्दा काटे जा रहे है। उसके उपरांत 31 मई को कारकस प्लांट को नोटिस दिया जाता है, जिसके जबाबदारी मे 3 जून को ठेकेदार महेंद्र सभापति एवं पवन कुमार निवासी हरवंश नगर को नगर निगम पेश होने पर अब प्लांट पर नए नियम लागू होंगे। यह किस्सा ऐसे मानो की जैसे हिलटर ने कहा था। 'रूल्स इस फुल' नियम बेवकूफओं के लिए बनाए जाते हैं। डॉ.आशीष त्रिपाठी ने आदेश दिया की कारकस प्लांट मे पशुओं का यूटिलिजेशन रात्रि मे अब कभी नहीं होगा। और प्लांट मे सीसीटीवी कैमरा के साथ इन्वेर्टर सुविधा निगम द्वारा होंगी, जिससे निगम 24 घंटा प्लांट पर नजर रख सके की कहीं धोखे से जिन्दा पशुओं को चोरी-छुपे मार कर या बेहोश करके तो प्लांट पर नहीं लाएं जाए। इसलिये प्रत्येक महीना सर्वे में पशुओं के मांस की संपलिंग भी होंगी। पशु प्रेमियों और आशिफ खान द्वारा सिद्धार्थ विहार, हिंडन क्षेत्र एवं बहरामपुर को एनसीआर का गौ-तस्करों का गढ़ कहा जाने बाला क्षेत्र अब शायद यह दाग गऊ तस्करों का मिटाया जा सकेगा। गऊ जो मानव जीवन और प्रकृति हिस्सा है, तथा पर्यावरण की दृष्टि से भी अति महत्वपूर्ण है। जिसकी रक्षा करना मानव का धर्म है।

हिंसा की जांच को कानपुर पहुंचा एटीएस, एडीजी ने देखा घटना स्थल

घटना को लेकर अधिकारियों के साथ एडीजी एटीएस की हुई बैठक

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां बीते शुक्रवार को परेड नई सड़क पर और दादा मियां का हाता में हुई हिंसा की जांच एटीएस ने शुरू कर दी है। इसके लिए कानपुर पहुंचे एटीएस के एडीजी नवीन अरोड़ा ने घटना स्थल का भी गहन निरीक्षण किया। दरअसल इस उपद्रव के पीछे पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) और डी-टू गैंग का नाम जांच में आने के बाद सतर्क हुई सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां आरोपियों को सबक सिखाने में कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहतीं। वह पीएफआइ) और डी-टू गैंग का नाम आने की तह तक पहुंचना चाहतीं है। इसीलिए एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) के एडीजी नवीन अरोड़ा ने यहां कानपुर पहुंच कर नई सड़क और दादा मियां का हाता

के साथ ही आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इसके बाद सद्भावना चौकी पहुंचे, जहां संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी के साथ बैठक की। माना जा रहा है कि जिस तरह से ठेलों पर पत्थर लेकर भीड़ आई और जिस तरह से हमला हुआ, उससे यही अंदाजा है कि शहर में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मौजदूगी के बीच यह उपद्रव साजिश के तहत पूर्व नियोजित था। मास्टरमाइंड हयात जफर हाशमी के पीएफआइ से संबंध की आशंका और डी-टू गैंग का कनेक्शन सामने आने पर मामला गंभीर हो गया और शासन ने जांच में एटीएस को भी लगा दिया है। वहीं पुलिस को कुछ दस्तावेज मिले हैं, जिनमें पीएफआइ के पैसों से चलने वाली चार संस्थाओं सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया (एसडीपीआइ), कैंपस फ्रंट आफ इंडिया (सीएफआइ), एआइआइसी और आरआइएफ के नाम हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इनके संबंध हयात जफर के एमएमए जौहर फैन्स एसोसिएशन से हैं। हयात के संगठन के वाट्सएप ग्रुप पर भी उपद्रव से जुड़े कई साक्ष्य मिले हैं। इसमें साफ है कि बाजार बंदी वापस लेने के बाद भी वह पर्दे के पीछे से इसे हवा दे रहा था। यही नहीं उपद्रव के दौरान पथराव करने वालों में कुछ ऐसे उपद्रवी भी चिह्नित हुए हैं, जिनके संबंध डी-टू गैंग से हैं। इनमें इसराइल, आदिल और इमरान कालिया के अलावा आसिफ रैनी का भाई अरफित हैं। डी-टू के आतंकी कनेक्शन की रिपोर्ट आ चुकी है, जिसमें कहा गया है कि यह गैंग कभी अंडरवर्ल्ड सरगना दाउद इब्राहिम के संपर्क में था और उसके कहने पर मुंबई में कई हत्याएं भी कीं।

मुस्लिम महासभा ने हज यात्रा पर जाने वालों का किया खैरमकदम

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द, आमेट। मुस्लिम महासभा के रास्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार,राजसमन्द कोंग्रेस अल्पसंख्यक नि. जिलाध्यक्ष अधिवक्ता शराफत हुसैन फौजदार, मुस्लिम महासभा जिला मीडिया प्रभारी शरफराज अहमद शेख आदि द्वारा देवगढ़ निवासी मोहतरम ईकबाल मोहम्मद शैख रिटायर्ड नायब तहसीलदार एवम इंसाफ बेगम शेख का हज यात्रा पर जाने से पहले यहाँ आमेट की संकल्प वाटिका में फूल माला पहना कर खैरमकदम किया गया इस दौरान हुसैन अली सोरगर, अमीर मोहम्मद सोरगर,बरक्ततुल्लाह खान,शरफराज खान, टीपू सुल्तान खान, जावेद खान, आदिल शेख, सहजाद शेख, मुस्लिम महासभा देवगढ़ ब्लॉक उपाध्यक्ष खुर्शीद अहमद शेख, तनवीर खान, रईस मोहम्मद, फर्जन अली, शमसाद शेख आदि द्वारा इस्तकबाल किया गया।

कानपुर हिंसा में पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में साथियों समेत जेल भेजा गया मास्टरमाइंड

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां हुई साम्प्रदायिक हिंसा के मुख्य आरोपी जफर हयात हाशमी को उसके तीन साथियों को जेल का रास्ता दिखा दिया गया है। इस मामले में अबतक कुल 29 लोगों को जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य की तलाश में छापेमारी जारी है। यहां शहर में परेड नई सड़क से दादा मियां हाता में बवाल के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात चल रहा है और बाजार में कुछ ही दुकानें खुली हैं लेकिन लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। हिंसा के मुख्य आरोपित मास्टरमाइंड हयात जफर हाशमी और तीन साथियों को कल रविवार को कोर्ट में पेश किया गया जिसपर कोर्ट ने हयात और उसके साथियों को जेल भेज दिया है। इस बीच पुलिस ने बवाल में सात और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस तरह से अबतक 29 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। याद रहे कि शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद परेड नई सड़क पर बवाल हो गया था। इस दौरान पथराव और तोड़फोड़ में कई लोग घायल भी हुए थे। बवाल शांत कराने के बाद पुलिस ने तीन मुकदमे दर्ज करके 36 नामजद और हजारों अज्ञात को शामिल किया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिर्फ वजन नहीं, इन प्रॉब्लम्स में भी फायदेमंद है लेमन-जिंजर टी

भारतीय लोगों की जिंदगी चाय के बिना अधूरी है। किसी को दूध वाली चाय पसंद है, किसी को ग्रीन-टी तो कोई लेमन टी पीना पसंद करता है। आजकल वैसे लेमन जिंजर टी भी काफी फेमस है और इसे पीने वालों की कमी भी नहीं है।सर्दी-जुकाम होने पर अदरक की चाय काफी फायदेमंद मानी गई है। वहीं, अगर इसमें नींबू भी डाल दिया जाए तो इसके फायदा दोगुना हो जाता है। सर्दी जुकाम के अलावा लगभग 9 तरीकों से जिंजर लेमन टी हमारे शरीर को फायदा करती है। आइए जानते हैं इस चाय के अन्य जरुरी फायदे।

वजन कम करने में मददगार

गलत खान-पान के चलते वजन बढ़ने की समस्या आम हो गई है। ऐसे में लोग डाइटिंग के नाम पर तरह-तरह की चीजें खाते हैं। फिर भी उन्हें ज्यादा असर देखने को नहीं मिलता। ऐसे में अगर वजन कम करने के लिए लेमन जिंजर टी को अपनी डाइट में शामिल कर लिया जाए तो वजन बढ़ने की परेशानी से काफी हद तक राहत मिल सकती है। क्या आप जानते हैं कि अदरक आपकी भूख कंट्रोल करने में मदद करता है? जी हां यदि आप दिन में दो बार इस चाय को पीते हैं तो आपको बेवजह भूख नहीं सताएगी। साथ ही आपके वजन को तेजी से कम करने में मदद भी मिलेगी।

इम्यून सिस्टम को करे स्ट्रांग

नींबू में मौजूद विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने में मदद करते हैं। यदि आप भी मौसम के बदलने के साथ सर्दी-जुकाम या फिर अन्य संक्रमण के शिकार हो जाते हैं तो आपको रुटीन में इस चाय का सेवन करना चाहिए। नींबू और अदरक दोनों संक्रमण से लड़ने में काफी प्रभावशाली होते हैं। ये सर्दी, खांसी व फ्लू की अवधि को कम करते हैं और आपके शरीर को साल्मोनेला जैसे संक्रमणों से बचाते हैं

याददाश्त करे तेज

नींबू और अदरक आपस में मिलकर एंटी-इन्फ्लेमेटरी का काम करते हैं। एक अध्ययन में बात सामने आई है कि नींबू-अदरक की चाय का सेवन दिमागी कोशिकाओं को एक्टिव करने का काम करती है। हर सुबह नींबू-अदरक की चाय का सेवन आपके दिमागी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। जिंजर लेमन चाय अल्जाइमर के खतरे को भी कम करने में मदद करती है।

हृदय को रखे स्वस्थ

विटामिन - सी से भरपूर एक साधारण सी चाय आपको दिल की बीमारियों से बचाने में मददगार साबित होती है। यह चाय हृदय की धमनियों और नसों में रक्त का उचित प्रवाह करने में मदद करती है। जिससे रक्त में कभी भी थक्के नहीं जमते। इस चाय के नियमित सेवन से दिल के दौरे की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

अदरक में मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेटरी, एंटी प्लेटलेट, हाइपोटेंसिव व हाइपोलिपिडेमिक तत्व सभी प्रकार के हृदय रोगों से शरीर को बचाने में मदद करते हैं।

बॉडी को रखे एल्कलाइन

आप सब जानते हैं कि नींबू एक एसिडिक फ्रूट है इस वजह से इसका सेवन बॉडी को एल्कलाइज रखता है। कैंसर की बीमारी से बचे रहने के लिए हमारी बॉडी का एल्कलाइन होना बेहद जरुरी है। एसिडिक होने के कारण नींबू दांत और मसूड़ों को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही बॉडी के खराब कोलेस्ट्रोल व फैट को कम कर मीठा खाने की इच्छा को भी काफी हद तक कम कर देता है।

ओवेरियन सिस्ट का उपचार

अगर आप पीसीओएस की समस्या से गुजर रही हैं तो आपके लिए नींबू-अदरक वाली चाय बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। पीसीओएस मतलब बच्चेदानी की रसौलियां।प्राकृतिक तरीके से ओवेरियन सिस्ट को कम करने के लिए लेमन जिंजर टी एक उत्तम उपाय है।

मूड-स्विंग में मददगार

स्ट्रेस के चलते अक्सर लोगों का मूड समय-समय बदलता रहता है, जिसे अंग्रेजी भाषा में मूड-स्विंग भी कहते हैं। ऐसे में लेमन जिंजर टी पीकर मूड-स्विंग की परेशानी पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इतना ही नहीं अदरक को शारीरिक तनाव कम करने के लिए भी जाना जाता है।

लिवर को रखे सही

आजकल गलत खान-पान के चलते अक्सर लोगों का लिवर फैटी हो जाता है। नींबू और अदरक का कॉम्बिनेशन लिवर की एक्सट्रा फैट और इंफेक्शन दोनों को खत्म करने का काम करता है। अध्ययनों से पता चला है कि अदरक और नींबू का लंबे समय तक उपयोग लिवर को ठीक ढंग से काम करने में मदद करता है।

दर्द से राहत

जैसा की आप जानते हैं कि अदरक और नींबू में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जो विभिन्न प्रकार के दर्द को कम कर आराम दिलाने का काम करते हैं। दर्द चाहे सिर में हो या फिर मासिक धर्म के दौरान पेट में होने वाली ऐंठन, हर तरह की दर्द में नींबू और अदरक रामबाण औषधि का काम करता है। किसी चोट या ऑप्रेशन के बाद इस चाय का नियंत्रण सेवन करने से पेशेंट की रिकवरी जल्द होती है।

दो मुंहे बालों को काटकर नहीं हेयर मास्क लगाकर करें गायब

बालों की देखभाल बेहद जरुरी है। खासतौर पर दोमुंहें बालों से बचने के लिए सफाई के साथ-साथ इन्हें पोषण देना बहुत जरुरी है। दो मुंहे बालों की समस्या प्रोटीन और विटामिन बी-6 की कमी से होती है। केले में ये दोनों पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जहां केले का सेवन खाना सेहत और बालों के लिए फायदेमंद है वहीं इससे बने हेयर-मास्क भी बालों की देखभाल करने में विशेष भूमिका निभाते हैं।

केला और शहद

बालों की सुंदरता के लिए इनका हाईड्रेटेड होना बे-हद जरुरी है। जिससे आपके बाल शाइनी एंड हैल्दी दिखें। केला और शहद, दोनों में एमोलिएंट गुण पाए जाते हैं। जो आपके बालों को हाईड्रेटेड रखने के साथ-साथ डैमेज और दोमुंहे बालों से बचाता है।

हेयर मास्क बनाने का तरीका...

एक केले को अच्छी तरह मैश करें, उसमें 2 टेबलस्पून शहद मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को अपनी स्कैल्प पर कम-से-कम आधे घंटे के लिए लगाकर रखें। बालों को धोने के लिए आयुर्वेदिक शैंपू का ही इस्तेमाल करें। इससे भी आपके दोमुंहे बालों की प्रॉब्लम ठीक होगी।

केला, अंडा और नारियल तेल

आप चाहें तो केले में अंडा और नारियल तेल भी मिक्स करके अपने बालों में लगा सकती हैं। प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर यह हेयर मास्क बालों को जड़ से लेकर अंत तक मजबूत बनाएगा। जिससे बालों के बीच में से टूट जाने की समस्या दूर होगी।

ऑलिव ऑयल मिक्स हेयर मास्क

1 मैश हुए केले में 2 चम्मच ऑलिव ऑयल मिक्स करके एक पेस्ट तैयार कर लें। इस मास्क को हफ्ते में कम से कम 2 बार सिर धोने से आधा घंटा पहले बालों में अपलाई करें। इस हेयर मास्क से भी आपके बाल टूटने-झड़ने रुक जाएंगे

केला और सरसों तेल

सरसों का तेल बालों और स्कैल्प की मरम्मत का बेहतरीन उपाय है। अगर आपको लगता है कि आपके सिर की त्वचा काफी रूखी हो गयी है या इसमें डैन्ड्रफ की समस्या उत्पन्न हो गयी है तो आप ऐसे में 1 मैश हुए केले में सरसों का तेल मिक्स करके बालों में लगाएं।

मलाई और केला

आप केले और ताजी मलाई का प्रयोग करके भी एक बेहतरीन पेस्ट बना सकती हैं। इससे बालों को सही पोषण मिलेगा और वे घने तथा चमकदार बनेंगे। इस हेयर मास्क के लिए मिक्सी में केले और मलाई को अच्छी तरह ग्राइंड कर लें। तैयार पेस्ट को स्कैलप से लेकर बालों के एंड तक लगाएं। इससे आपके दोमुंहें बालों की समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पूजा हेगड़े के साथ रोमांस करेंगे विजय डेवेराकोण्डा

टॉलीवूड की खूबसूरत अदाकारा पूजा हेगड़े बॉलीवुड में एक अलग पहचान रखती है। फिल्म मोहनजोदड़ो से लेकर कभी ईद कभी दीवाली तक। साउथ में अपनी अदाओ की बिजली गिरा रही पूजा ने साल 2016 में ऋतिक रोशन के साथ फिल्म मोहनजोदड़ो से बॉलीवुड में एंट्री की थी। पूजा अब अपनी आने वाली फिल्मो की शूटिंग में बिजी है। एक तरफ जहा वह सलमान खान के साथ कभी ईद कभी दीवाली में नजर आने वाली है तो वही अब खबर आई है की वह विजय द्विराकोण्डा के साथ टॉलीवूड फिल्म भी करने वाली है। पूजा हेगड़े फिल्म जेजीएम में विजय डेवेराकोण्डा के साथ रोमांस करती नजर आएँगी। पूरी जगन्नाथ की इस फिल्म में पहले से ही विजय काम कर रहे थे अब खबर आई है की इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर पूजा हेगड़े नजर आयंगी। फिल्म को चार्मी कौर प्रोडूस कर रही है। फिल्म जेजीएम का पूरा नाम जन गण मन है। फिल्म लिगर भी विजय की आने वाली बड़ी फिल्मो में से एक है लेकिन इसके अलावा पहले खबरे थी की जेजीएम की शूटिंग भी शुरू की जा चुकी है। इस खबरों को सच बताते हुए आज फिल्ममेकर्स ने फिल्म के सेट पर पूजा की और एक ग्रुप फोटो शेयर किया। फिल्म की शूटिंग आज से शुरू की गयी है।

फिल्म धाकड़ के फ्लॉप होने पर पहली बार बोली कंगना रनौत

बॉलीवुड की दबंग हीरोइन कंगना रनौत की पिछले महीने रिलीज हुई फिल्म 'धाकड़' का बॉक्स ऑफिस पर काफी बुरा हाल रहा। धाकड़ के साथ रिलीज हुई कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'भूल भुलैया 2' को अपार सफलता मिली। वही बात करे धाकड़ की तो बॉक्स ऑफिस पर कंगना की फिल्म को किसी ने पुछा तक नहीं। भूल भुलैया 2 का एक तरह जहा हर शो हाउसफुल रहा तो वही कंगना की फिल्म धाकड़ के कई शोज कैंसिल करने पड़े क्यूंकि शो को देखने के लिए दर्शको ही नहीं थे। कंगना की फिल्म की इतनी बुरी हालत हुई की वह साल की सबसे काम कमाई करने वाली फिल्म बन गयी। धाकड़ फिल्म का कुल बजट 80 से 90 करोड़ के बिच का था। लेकिन फिल्म ने कुल 3 करोड़ की ही कमाई कर पाई। फिल्म के डिजिटल राइट्स भी किसी ओटीटी प्लेटफार्म ने नहीं खरीदे। कंगना की फिल्म के फ्लॉप होने की वजह से उन्हें हर जगह ट्रॉल्लिंग का सामना करना पड़ रहा है। ट्विटर पर एक यूजर ने धाकड़ को ट्रोल करते हुए लिखा की 'जब आप लोगो से कहो की बॉलीवुड को बैन करो और लोग आपकी फिल्म को ही बैन कर दे' वही एक अन्य ने लिखा 'बॉलीवुड को बैन करने की बात की थी आप भी तो बॉलीवुड का ही हिस्सा हो'। फिल्म धाकड़ को मिले ठन्डे रिस्पांस की वजह से कई सिनेमाघरों से उतार लिया गया।

सारा को बनना है संजय भंसाली की हीरोइन

पटौदी खानदान की लाड़ली बेटी सारा अली खान बॉलीवुड की एक जानी मानी एक्ट्रेस बन गयी है। फिल्मो में अपनी एक्टिंग और ग्लमौरेस आदाओं से सबका दिल जीतने वाली सारा अली खान अपनी आने वाली फिल्मो की शूटिंग में बिजी है। सारा की आखिरी फिल्म 'अतरंगी रे' को दर्शको ने खूब प्यार दिया था। इस फिल्म में उनके साथ साउथ सुपरस्टार धनुष और अक्षय कुमार भी नजर आये थे। अतरंगे रे के बाद वह किसी फिल्म में नजर नहीं आई। वही अब वह अपनी अगली फिल्म की शूटिंग कर रही है जिसमे उनके साथ एक्टर विक्की कौशल नजर आने वाले है। फिल्मो में सपोर्टिंग रोल करके एंट्री मारने वाले विक्की कौशल ने अपनी एक्टिंग और लाजवाब डायलाग डिलीवरी के दम पर धीरे धीरे करके बॉलीवुड में अपनी जगह लीडिंग एक्टर्स की लिस्ट में बना ही ली। आज विक्की कौशल एक जाना माना चेहरा है। कैटरीना से शादी के बाद तो मानो उनकी शोहरत और भी ज्यादा बढ़ गयी थी। विक्की के साथ अगली फिल्म की शूटिंग कर रही है सारा अली खान। सारा और विक्की लक्ष्मन उतेकर की फिल्म में एक साथ काम करते नजर आने वाले है। सारा ने ये भी बताया की वह संजय लीला भंसाली की फिल्म में किसी राजकुमारी के किरदार में नजर आने की तमन्ना रखती है वही जोया अख्तर की फिल्म में मॉडर्न लड़की की भूमिका करना भी उनका एक सपना है।